IJCRT.ORG ISSN : 2320-2882

INTERNATIONAL JOURNAL OF CREATIVE RESEARCH THOUGHTS (IJCRT)

An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

कोविड 19 महामारी के दौरान ऑनलाइन अध्ययन में शैक्षिक तनाव: शिक्षार्थियों की धारणा का आकलन

डॉ.वर्मा कविता सहायक प्राध्यापक, शिक्षा विभाग, शोध केंद्र - कल्याण स्नातकोत्तर महाविद्यालय,भिलाई नगर (सम्बद्ध- हेमचंद यादव विश्वविद्यालय,दुर्ग छत्तीसगढ़)

जीवनानी रेखा शोधार्थी, शिक्षा विभाग, शोध केंद्र - कल्याण स्नातकोत्तर महाविद्यालय,भिलाई नगर (सम्बद्ध- हेमचंद यादव विश्वविद्यालय,दुर्ग छत्तीसगढ़)

सारांश

किसी भी कार्य को करने के तरीके में अचानक बदलाव व्यक्ति विशेष को प्रतिकूल कर देता है, उसी प्रकार सीखने के पैटर्न में अचानक बदलाव, छात्रो को अनुकूल करने में असमर्थ कर देता हैं। आजकल छात्रों पर हर तरह का दबाव होता है। किशोरावस्था या उच्चतर माध्यमिक विद्यार्थियों के अपने विचार होते हैं,जो उनके दिमाग को संवेदनशील बना देते है। ऐसे मे कोविड 19 महामारी के दौरान विद्यार्थियो को घर पर रहकर अपना शिक्षण कार्य करने के लिए ऑनलाइन अध्ययन करना आवश्यक हो गया था। और ऑनलाइन अध्ययन की प्रक्रिया में बहुत सारे ऐसे कारक थे ,जो छात्रों को तनावग्रस्त करते थे, विद्यार्थियों के तनाव के कारणों का पता लगा कर उन्हे हल करने का प्रयास कर उनकी मदद करने के लिए शोधकर्ता द्वारा यह अध्ययन किया गया है। कि कैसे ऑनलाइन पाठ्यक्रम छात्रों पर प्रभाव डालता हैं और उनके शैक्षिक तनाव को कैसे प्रभावित करता है। वर्तमान शोध कोविड-19 महामारी के दौरान ऑनलाइन अध्ययन में शैक्षिक तनाव: शिक्षार्थियों की धारणा का आकलन करने के लिए किया गया। जिसमें शैक्षिक तनाव को आश्रित चर जबकि ऑनलाइन अध्ययन, लिंग और शाला प्रकार को स्वतंत्र चर के रूप में माना गया। एक नमूना बहुस्तरीय यादृच्छिक प्रतिचयन तकनीकी के माध्यम से उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के 674 छात्रों का चयन किया गया। तथा डा॰.उदय के.सिन्हा (2014) द्वारा विकसित शैक्षिक तनाव मापनी (SAAS) का उपयोग छात्रों के शैक्षिक तनाव को मापने के लिए किया गया। प्राप्त आकडो को 2 * 2 * 2 फैक्टोरियल डिजाइन के साथ त्रिमार्गी प्रसरण विश्लेषण का उपयोग करके विश्लेषित किया गया। प्राप्त परिणामों में पाया गया कि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के छात्रों के शैक्षिक तनाव पर ऑनलाइन अध्ययन का स्वतंत्र प्रभाव 0.05 पर और लिंग का स्वतंत्र प्रभाव 0.01 पर सार्थक पाया गया तथा शाला प्रकार का मुख्य प्रभाव सार्थक नहीं पाया गया। साथ ही ऑनलाइन अध्ययन x लिंग x शाला प्रकार का कोई भी पारस्परिक प्रभाव सार्थक नही पाया गया।

की वर्ड :- कोविड 19,ऑनलाइन अध्ययन, लिंग,शाला और शैक्षिक तनाव

भूमिका

शैक्षिक तनाव को एक छात्र की मनोवैज्ञानिक स्थिति के रूप में परिभाषित किया जाता है, जो स्कूल के वातावरण में निरंतर सामाजिक और आत्मारोपित दबाव के परिणामस्वरूप होता है जो छात्र के मनोवैज्ञानिक भंडार को कम करता है। तनाव एक अति-उत्तेजना की स्थिति है जो शारीरिक, मनोवैज्ञानिक और आंतरिक या बाहरी कारको के खतरनाक या हानिकारक मूल्यांकन के परिणाम के रूप में उभरती है। तनाव दर्दनाक जीवन की घटनाओं, निरंतर परेशानी (जैसे आर्थिक परेशानी), और दैनिक जीवन की समस्याओ से होती है। कुछ क्रियाकलाप जैसे परीक्षाएं,व्यस्त जीवनशैली, विद्यालय व्यवस्था,पाठ्यक्रम का बढ़ता स्तर तथा विद्यालयों में आयोजित क्रियाकलाप आदि समस्त क्रियाओं को निश्चित व आधारित समय पर पूरा करना छात्रों को एक प्रकार के बोझ का अनुभव कराता है। जिसमे छात्र थकावट, सिरदर्द, शारीरिक एवं मानसिक कष्ट,असफल होने का भय महसूस करता है जो शैक्षिक तनाव कहलाता है। अचानक सीखने के पैटर्न में बदलाव छात्रो को अपने शिक्षण के प्रति अनुकूल करने में असमर्थ कर देता हैं। आजकल छात्रों पर हर तरह का दबाव होता है। और किशोरावस्था मे विद्यार्थियों का दिमाग बहुत संवेदनशील होता है। ऐसे मे पारंपरिक कक्षाओ से निकल कर अचानक ऑनलाइन अध्ययन करना एक तनवग्रस्त प्रकिया है। और ऐसे बहुत से कारक है,जो विद्यार्थियों के ऑनलाइन अध्ययन को प्रभावित करते है। **मर्फी एवं अर्चेर (1986)** ने अपने एक अध्ययन के दौरान पाया कि तनाव अधिक होने की स्थिति में छात्रो में नकारात्मकता बढ़ती जाती है तथा शारीरिक और मनोवैज्ञानिक दुष्परिणाम होते हैं।**ली और लिन (2003)** के अनुसार, शैक्षिक तनाव भी छात्रों में मानसिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव डालता है।

समस्या कथन

कोविड-19 महामारी परिस्थिति में उच्चतर माध्यमिक विद्यार्थियो के ऑनलाइन अध्ययन का उनकी शैक्षिक तनाव पर प्रभाव।

अध्ययन का उद्देश्य

कोविड-19 महामारी परिस्थिति में उच्चतर माध्यमिक विद्यार्थियों के ऑनलाइन अध्ययन, लिंग एवं शाला प्रकार के प्राप्तांको का उनके शैक्षिक तनाव प्राप्तांको पर मुख्य एवं अंतःक्रियात्मक प्रभाव ज्ञात करना।

परिकल्पना

H_1 कोविड-19 महामारी परिस्थिति में उच्चतर माध्यमिक विद्यार्थियों के ऑनलाइन अध्ययन, लिंग एवं शाला प्रकार के प्राप्तांको का उनके शैक्षिक तनाव प्राप्तांको पर मुख्य एवं अंतःक्रियात्मक प्रभाव सार्थक नही पाया जायेगा।

न्यादर्श

प्रस्तुत शोध में उच्चतर माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों पर कोविड-19 परिस्थिति में ऑनलाइन अध्ययन के प्रभाव हेतु दुर्ग जिले के शासकीय एवं अशासकीय उच्चतर विद्यालयों एवं उसमें उपस्थित विद्यार्थियों की संख्यां मे से 3% विद्यार्थियों का चयन (674 विद्यार्थियों 310छात्र एवं 364छात्राएँ) न्यादर्श के रूप मे गैर आनुपातिक स्तरीकृत यादृच्छिक विथि के द्वारा किया गया।

उपकरण

विद्यार्थियों में ऑनलाइन अध्ययन के प्रभाव का मापन करने हेतु शोधकर्ता ने स्वनिर्मित मापनी का प्रयोग किया। प्रश्नावली मे 30 प्रश्न द्वारा विद्यार्थियों के अधिगम स्तर, इंटरनेट की उपलब्धता एवं शिक्षक छात्र संबंध के बारे मे जानने का प्रयास किया गया। जिसकी वैधता उच्च है। एवं विश्वसनियता 0.91 पायी गयी। यह उपकरण प्रमाणीकृत एवं उद्देश्यो की पूर्ति करने मे सक्षम है। शैक्षिक तनाव के मापन के लिए डा. उदय के.सिन्हा द्वारा निर्मित शैक्षिक

तनाव मापनी (2014) का प्रयोग किया गया। जिसमे कुल 30पद है। जिसे 5 आयामो (संज्ञानात्मक, भावनात्मक, शारीरिक, सामाजिक/पारस्परिक, प्रेरक) मे बाटा गया है। जिसकी वैधता उच्च है। एवं विश्वसनियता 0.75 है।

प्रदत्तो का सांख्यिकी विश्लेषण

प्रस्तुत शोथ अध्ययन का उद्देश्य विद्यार्थियों के शैक्षिक तनाव पर ऑनलाइन अध्ययन, लिंग एवं शाला प्रकार के प्रभाव का अध्ययन करना है। अतः सांख्यिकीय विश्लेषण हेतु 2 ऑनलाइन अध्ययन × 2 लिंग × 2 शाला के लिए त्रिदिश प्रसरण विश्लेषण की संगणना की गयी है। इस प्रकार (2 * 2 * 2) त्रिदिश प्रसरण विश्लेषण की संगणना से प्राप्त सारांश को तालिका क्रमांक 1.00 में दर्शाया गया है:-

तालिका क्रमांक 1.00

कोविड 19 महामारी में उच्चतर माध्यमिक विद्यार्थियों के ऑनलाइन अध्ययन, लिंग एवं शाला प्रकार के प्राप्तांकों का उनके शैक्षिक तनाव प्राप्तांकों पर मुख्य एवं अंतःक्रियात्मक प्रभावों के संदर्भ में प्रसरण विश्लेषण का सारांश

प्रसरण का स्त्रोत	वर्गों का योग	स्वतंत्रता की कोटि	मध्यमान वर्ग	F अनुपात
ऑनलाइन अध्ययन	134.954	1	134.954	3.706*
लिंग	244.465	1	244.465	6.714**
शाला	61.946	1	61.946	1.701NS
ऑनलाइन अध्ययन x लिंग	7.935	1	7.935	.218NS
ऑनलाइन अध्ययन xशाला	19.518	1	19.518	.536NS
लिंग x शाला	4.407	1	4.407	.121NS
ऑनलाइन अध्ययन xलिंग xशाला	97.686	1	97.686	2.683NS
त्रुटि	24249.318	666	36.410	
योग	137315.000	674		
संशोधित योग	24834.512	673		

** = 0.01 सार्थकता स्तर *= 0.05 सार्थकता स्तर NS= सार्थक नहीं

मुख्य प्रभाव

■ ऑनलाइन अध्ययन

उपरोक्त परिणामों के आधार पर स्पष्ट है कि विद्यार्थियों के शैक्षिक तनाव को ऑनलाइन अध्ययन सार्थक रूप से प्रभावित करता है। क्योंकि ऑनलाइन अध्ययन के लिए प्राप्त एफ मान **3.706** स्वतंत्रता की कोटि 1/666 पर 0.05 स्तर पर सार्थक है। इससे निष्कर्ष निकलता है कि ऑनलाइन अध्ययन विद्यार्थियों के शैक्षिक तनाव को सार्थक रूप से प्रभावित करता है। अतः परिकल्पना कोविड-19 महामारी में उच्चतर माध्यमिक विद्यार्थियों के ऑनलाइन अध्ययन के प्राप्तांको का उनके शैक्षिक तनाव के प्राप्तांको पर मुख्य प्रभाव नहीं पाया जाएगा, अस्वीकृत होती है। शर्मा (2022) ने अध्ययन मे पाया कि कोरोना महामारी काल में दो साल तक ऑनलाइन पढ़ाई और बंदिशों का विद्यार्थियों पर सबसे अधिक प्रभाव पड़ा। चंद्र(2021) ने अध्ययन मे पाया कि कोविड19महामारी के कारण,फिजिकल क्लासरूम से वर्चुअल स्पेस में अचानक बदलाव छात्रों के बीच व्यवधान का कारण बना।

पुनः यह अध्ययन करने के लिए कि शैक्षिक तनाव पर ऑनलाइन अध्ययन किस स्तर पर प्रभाव डालता है। हम ऑनलाइन अध्ययन के विभिन्न स्तरो का शैक्षिक तनाव के प्राप्तांकों के मध्यमान की तुलना करेंगे। उपर्युक्त मध्यमान मूल्यों एवं प्रामाणिक विचलनो को निम्न तालिका क्रमांक 1.01 में प्रस्तुत किया गया है :-

तालिका क्रमांक 1.01

विद्यार्थियों के ऑनलाइन अध्ययन के आधार पर शैक्षिक तनाव के प्राप्तांको का मध्यमान मूल्य एवं प्रामाणिक विचलन

ऑनलाइन अध्ययन	N संख्या	मध्यमान मूल्य	प्रामाणिक विचलन
उच्च	312	12.510	0.349
निम्न	362	13.428	0.325

उपयुक्त तालिका से स्पष्ट होता है,कि उच्च ऑनलाइन अध्ययन वाले विद्यार्थियों का मध्यमान (M=12.510) तथा निम्न ऑनलाइन अध्ययन वाले विद्यार्थियों का मध्यमान (M=13.428) है। अर्थात उच्च ऑनलाइन अध्ययन वाले विद्यार्थियों की तुलना मे निम्न ऑनलाइन अध्ययन वाले विद्यार्थियों का शैक्षिक तनाव उच्च श्रेणी का है। अतः उच्च ऑनलाइन अध्ययन वाले विद्यार्थियों का शैक्षिक तनाव, निम्न ऑनलाइन अध्ययन वाले विद्यार्थियों के आधार पर सार्थक पाया जाता है।

■ **लिंग**

उपरोक्त परिणाम दर्शाते हैं कि विद्यार्थियों के शैक्षिक तनाव को लिंग सार्थक रूप से प्रभावित करता है,क्योंकि इस कारक के लिए एफ मान 6.714स्वतंत्रता की कोटि 1/666 पर 0.05 स्तर पर सार्थक है। इससे स्पष्ट होता है कि विद्यार्थियों के शैक्षिक तनाव में उत्पन्न विचलनता मे लिंग के स्तर स्वतंत्र रूप से उत्तरदायी है इसलिए कहा जा सकता है कि छात्र और छात्रा के शैक्षिक तनाव मे सार्थक भिन्नता दृष्टिगोचर होती है। अतः परिकल्पना कोविड-19 महामारी में उच्चतर माध्यमिक विद्यार्थियों के लिंग के प्राप्तांको का उनके शैक्षिक तनाव प्राप्तांको पर मुख्य प्रभाव नहीं पाया जायेगा, अस्वीकृत होती है। प्रभु (2015) ने अपने अध्ययन मे पाया कि पुरुष छात्रों का शैक्षिक तनाव महिला छात्रों से अधिक था। इसके विपरीत करमन एवं लर्मा (2019) ने अध्ययन मे पाया कि महिला छात्रों का शैक्षिक तनाव पुरुष छात्रों से अधिक था। तथा मणिकन्दन (2019)ने अपने अध्ययन मे पुरुष एवं महिला छात्रों के शैक्षिक तनाव के स्तर को मध्यम प्रकृति का पाया।

पुनः यह अध्ययन करने के लिए कि शैक्षिक तनाव पर लिंग किस स्तर पर प्रभाव डालता है। इस उद्देश्य हेतु लिंग के विभिन्न स्तरो पर शैक्षिक तनाव के प्राप्तांकों के मध्यमान की तुलना की गयी। उपर्युक्त मध्यमान मूल्यों एवं प्रामाणिक विचलनो को निम्न तालिका क्रमांक 1.02में प्रस्तुत किया गया है :-

तालिका क्रमांक 1.02

विद्यार्थियों के लिंग के आधार पर शैक्षिक तनाव के प्राप्तांको का मध्यमान मूल्य एवं प्रामाणिक विचलन

लिंग	N संख्या	मध्यमान मूल्य	प्रामाणिक विचलन
छात्र	310	13.586	0.344
छात्रा	364	12.351	0.330

उपरोक्त तालिका क्रमांक.5.07 (a) तथा आरेख क्रमांक.5.02 के अवलोकन से स्पष्ट होता है कि छात्रो के शैक्षिक तनाव का मथ्यमान (M=**13.586**) ,छात्राओ के शैक्षिक तनाव का मथ्यमान (M=**12.351**) है। अर्थात छात्राओ की तुलना में छात्रो का शैक्षिक तनाव उच्च है क्योंकि इस वर्ग के प्राप्ताको का मध्यमान अधिक पाया गया है।

■ **शाला**

उपरोक्त परिणाम दर्शाते हैं कि विद्यार्थियों के शैक्षिक तनाव को शाला प्रकार सार्थक रूप से प्रभावित नहीं करता, क्योंकि इस कारक के लिए एफ मान 1.701स्वतंत्रता की कोटि 1/666 पर 0.05 स्तर पर सार्थक नहीं है। इससे स्पष्ट होता है कि शाला प्रकार स्वतंत्र रूप से विद्यार्थियों के शैक्षिक तनाव में उत्पन्न विचलनता के लिए उत्तरदायी नहीं है इसलिए कहा जा सकता है कि विद्यार्थियों की चिंतन शैली के निर्धारण में शाला प्रकार के आधार पर सार्थक भिन्नता दृष्टिगोचर नहीं होता,अतः परिकल्पना कोविड-19 महामारी में उच्चतर माध्यमिक विद्यार्थियों के शाला प्रकार के प्राप्तांको का उनके शैक्षिक तनाव प्राप्तांको पर मुख्य प्रभाव नहीं पाया जायेगा, स्वीकृत होती है। इसके विपरित (सुब्रमणि एवं काधीवानी 2017; प्रभु,2015;} ने अध्ययन मे पाया कि निजी स्कूल के छात्रों का शैक्षिक तनाव, सरकारी स्कूल के छात्रों की तुलना मे अधिक था। तथा अकेला एवं अशोक, 2018; बेदान्त,2020;) ने अध्ययन मे पाया कि सरकारी स्कूल के छात्रों का शैक्षिक तनाव, निजी स्कूल के छात्रों की तुलना मे अधिक था।

द्विकारक अन्यान्योश्रित प्रभाव

■ ऑनलाइन अध्ययन x लिंग

विद्यार्थियों की चिंतन शैली पर ऑनलाइन अध्ययन व लिंग के संयुक्त प्रभाव का अध्ययन करने हेतु तालिका 1.00 का निरीक्षण किया गया जिसमे परिणाम दर्शाते हैं कि ऑनलाइन व लिंग का प्रभाव विद्यार्थियों के शैक्षिक तनाव पर सार्थक रूप से नहीं पड़ता क्योंकि इन कारकों के संयुक्त प्रभाव के लिए प्राप्त एफ मान 0.218 स्वतंत्रता की कोटी 1/666 पर 0.05 स्तर पर सार्थक नहीं है। इससे स्पष्ट होता है कि ऑनलाइन अध्ययन व लिंग के मध्य की अंत:क्रिया का विद्यार्थियों के शैक्षिक तनाव पर संयुक्त एवं सार्थक प्रभाव नहीं पड़ता है अतः परिकल्पना कोविड-19 महामारी में उच्चतर माध्यमिक विद्यार्थियों के ऑनलाइन अध्ययन व लिंग के प्राप्तांको का उनके शैक्षिक तनाव प्राप्तांको पर अंतःक्रियात्मक प्रभाव नहीं पाया जायेगा, स्वीकृत होती है।

■ ऑनलाइन अध्ययन x शाला

विद्यार्थियों के शैक्षिक तनाव पर विभिन्न स्वतंत्र चरो के अन्योयाश्रित प्रभावो का अध्ययन करने के लिए संभावित ऑनलाइन अध्ययन व शाला के संयुक्त प्रभाव का अध्ययन करने हेतु तालिका 1.00 का निरिक्षण किया गया। जिसमे परिणाम दर्शाते हैं कि विद्यार्थियों के शैक्षिक तनाव पर ऑनलाइन अध्ययन व शालाओं का प्रभाव सांख्यिकी रूप से सार्थक नहीं है, क्योंकि इन कारको के संयुक्त प्रभावों के लिए प्राप्त एफ मान 0.536 स्वतंत्रता की कोटी 1/666 पर 0.05 स्तर से कम है अर्थात् सार्थक नहीं है। इससे स्पष्ट होता है कि विद्यार्थियों के शैक्षिक तनाव में उत्पन्न विचलनता का कारण ऑनलाइन अध्ययन व शाला के मध्य की अन्तः क्रिया नहीं है,अतः परिकल्पना कोविड-19 महामारी में उच्चतर माध्यमिक विद्यार्थियों के ऑनलाइन अध्ययन व शाला के प्राप्तांको का उनके शैक्षिक तनाव प्राप्तांको पर अंतःक्रियात्मक प्रभाव नहीं पाया जायेगा, स्वीकृत होती है।

■ लिंग x शाला

विद्यार्थियों के शैक्षिक तनाव पर विभिन्न स्वतंत्र चरो के अन्योयाश्रित प्रभावो का अध्ययन करने के लिए संभावित लिंग व शाला के संयुक्त प्रभाव का अध्ययन करने हेतु तालिका 1.00 का निरिक्षण किया गया जिसमे परिणाम दर्शाते हैं कि लिंग एवं शाला का संयुक्त प्रभाव विद्यार्थियों के शैक्षिक तनाव पर सांख्यिकी रूप से सार्थक नहीं है, क्योंकि इन कारको के संयुक्त प्रभावों के लिए प्राप्त एफ मान .121 स्वतंत्रता की कोटी 1/666 पर 0.05 स्तर से कम है अर्थात् सार्थक नहीं है। इससे स्पष्ट होता है कि विद्यार्थियों के शैक्षिक तनाव में उत्पन्न विचलनता का कारण लिंग व शाला प्रकार के विभिन्न स्तर उत्तरदायी नहीं है,अतः परिकल्पना कोविड-19 महामारी में उच्चतर माध्यमिक विद्यार्थियों के लिंग व शाला के प्राप्तांको का उनके शैक्षिक तनाव प्राप्तांको पर अंतःक्रियात्मक प्रभाव नहीं पाया जायेगा, स्वीकृत होती है।

त्रिकारकीय अन्यायोश्रित प्रभाव

■ ऑनलाइन अध्ययन x लिंग x शाला

विद्यार्थियों के शैक्षिक तनाव पर तीनों कारको यथा ऑनलाइन अध्ययन ,लिंग एवं शाला के संयुक्त प्रभाव का अध्ययन करने हेतु तालिका क्रमांक 1.00 का अवलोकन किया गया,जिसमे परिणाम दर्शाते हैं कि विद्यार्थियों के शैक्षिक तनाव पर तीनों स्वतंत्र चरो ऑनलाइन अध्ययन , लिंग एवं शाला की त्रिपक्षीय परस्पर क्रिया का सार्थक प्रभाव नहीं पड़ता क्योंकि इन कारकों के संयुक्त प्रभाव के लिए प्राप्त एफ मान 2.683 स्वतंत्रता की कोटी 1/666 पर 0.05 स्तर पर सार्थक नही है। इससे स्पष्ट होता है कि ऑनलाइन अध्ययन,लिंग एवं शाला के विभिन्न स्तर विद्यार्थियों के शैक्षिक तनाव में उत्पन्न विचलनता के लिए उत्तरदायी नहीं है। अतः परिकल्पना उच्चतर माध्यमिक विद्यार्थियों के शैक्षिक तनाव प्राप्तांको पर ऑनलाइन अध्ययन,लिंग एवं शाला का अंतः क्रियात्मक प्रभाव सार्थक नहीं पाया जाएगा, स्वीकृत होती है।

परिणाम

स्वतंत्र प्रभाव

ऑनलाइन अध्ययन

- विद्यार्थियों के शैक्षिक तनाव पर ऑनलाइन अध्ययन का मुख्य सार्थक प्रभाव पाया गया।

लिंग

- विद्यार्थियों के शैक्षिक तनाव पर लिंग का मुख्य सार्थक प्रभाव पाया गया।

शाला

- विद्यार्थियों के शैक्षिक तनाव पर शासकीय व अशासकीय शाला प्रकार का मुख्य सार्थक प्रभाव नहीं पाया गया।

अंतःक्रियात्मक प्रभाव

ऑनलाइन अध्ययन x लिंग

- विद्यार्थियों के शैक्षिक तनाव पर ऑनलाइन अध्ययन x लिंग का अन्योनयाश्रित सार्थक प्रभाव नहीं पाया गया।

ऑनलाइन अध्ययन x शाला

- विद्यार्थियों के शैक्षिक तनाव पर ऑनलाइन अध्ययन x शाला का अन्योन्यश्रित सार्थक प्रभाव नहीं पाया गया।

लिंग x शाला

- विद्यार्थियों के शैक्षिक तनाव पर लिंग x शाला का अन्योन्याश्रित सार्थक प्रभाव नहीं पाया गया।

त्रिकारकीय अंतःक्रियात्मक प्रभाव

ऑनलाइन अध्ययन x लिंग x शाला

- विद्यार्थियों के शैक्षिक तनाव पर ऑनलाइन अध्ययन x लिंग x शाला का सार्थक त्रिकारकीय अंतःक्रियात्मक प्रभाव नहीं पाया गया।

प्राप्त परिणामों के निष्कर्ष से स्पष्ट होता है कि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के छात्रों के शैक्षिक तनाव पर ऑनलाइन अध्ययन और लिंग के स्वतंत्र प्रभाव के लिए परिकल्पना अस्वीकृत होती है। तथा शाला प्रकार के स्वतंत्र प्रभाव के लिए परिकल्पना स्वीकृत होती है। तथा ऑनलाइन अध्ययन * लिंग * शाला प्रकार के संयुक्त अन्योन्याश्रित और संयुक्त त्रिकारकीय अन्योन्याश्रित प्रभावो के लिए परिकल्पना अस्वीकृत होती है।

निष्कर्ष एवं विवेचना

उपर्युक्त विवेचना से स्पष्ट होता है, कि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के छात्रों के शैक्षिक तनाव पर ऑनलाइन अध्ययन का स्वतंत्र प्रभाव 0.05 पर और लिंग का स्वतंत्र प्रभाव 0.01 पर सार्थक पाया गया तथा शाला प्रकार का मुख्य प्रभाव सार्थक नहीं पाया गया। साथ ही ऑनलाइन अध्ययन * लिंग * शाला प्रकार का कोई भी पारस्परिक प्रभाव सार्थक नही पाया गया। वर्तमान अध्ययन के निष्कर्ष प्रशासको,शिक्षकों एवं अभिभावकों के लिए एक निहितार्थ है कि किशोरावस्था विद्यार्थियों के अपने विचार होते हैं,जो उनके दिमाग को संवेदनशील बना देते है। विद्यार्थियों के तनाव के कारणों का पता लगा कर उन्हे हल करने का प्रयास करने मे उनकी मदद की जा सकती है। जिससे वे परिस्थिति अनुसार अपने तनाव का उचित प्रबंध करने की क्षमता का विकास कर सके।

संदर्भ ग्रंथ

Singh, A. (2020). Online learning and education for all during and after Covid-19 pandemic. Research Associate at the Institute for Research and Development in School Education, Modern School, Barakhamba Road, New Delhi.

https://www.financialexpress.com › education 2

Banerjee, S. (2011). Effect of various counselling strategies on academic stress of secondary Level students. Unpublished Ph.D. Thesis, Punjab University, Chandigarh.

Subraman,C.& Venkatachalam ,J.(2019).Sources of Academic Stress among Higher Secondary School.StudentS.International Review of Social Sciences and Humanities, ISSN 2250-0715 (P) 2248-9010 (O),Volume 9 Number 7 July 2019

Bhargava,N.(2020).THE ACADEMIC STRESS AMONG THE SENIOR SECONDARY STUDENTS ENROLLED IN DIFFERENT STREAMS.SURESH GYAN VIHAR UNIVERSITY INTERNATIONAL JOURNAL OF ECONOMICS AN MANAGEMENT,VOLUME 8, ISSUE 3, 2020

Bisht, A.R. (1980). A study of stress in relation to school climate and academic achievement (age group 13-17). Unpublished doctoral thesis, Education, kumaon university.

J. V. Rama Chandra Rao (2015). Academic Stress among Adolescent Students, Conflux Journal of Education, ISSN 2320-9305 E-ISSN 2347-5706 vol 2(9). http://cjoe.naspublishers.com/

Krishan, L. (2014). Academic Stress among Adolescent In Relation To Intelligence and Demographic Factors, American International Journal of Research In Humanities, Arts And Social Sciences, ISSN (print): 2328-3734, ISSN (online): 2328-3696, ISSN (cd-rom): 2328- 3688 pp 123-129